वी.यू. द्वारा 26 वीं क्षेत्रीय कार्यशाला में सक्रिय सहभागिता

जबलपुर। विगत दिवस भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्– कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संस्थान (अटारी), क्षेत्र– 9, जबलपुर (म.प्र.) द्वारा मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के कृषि विज्ञान केन्दों की 26 वीं क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन कृषि विज्ञान केंन्द्र, छत्तरपुर में दिनांक 27–29 जुलाई 2019 को किया गया, इस कार्यशाला में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय की सक्रिय सहभागिता रही। इस कार्यशाला में कुल 10 तकनीकी सत्र आयोजित हुये। इसके अंतर्गत दिनांक 28 जुलाई 2019 के 9 वें तकनीकी सत्र में **''बुंदेलखंड के विकास के लिये कार्य योजना''** विषय के तहत **''समन्वित कृषि पद्धति के माध्यम से उन्नत पशुधन तकनीकीयों द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र के कृषकों का सशक्तीकरण''** पर पावर पोईंट प्रिजेन्टेशन डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा एवं सत्र के दौरान डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रमुख अन्वेषक फार्मर फर्स्ट परियोजना द्वारा कार्यशाला में विचार विमर्श में भाग लिया, जिसमें मध्यप्रदेश की केनकथा नस्ल की गायों हेतु जीन पूल की स्थापना एवं देशी बकरीयों की नस्ल सुधार व उन्नयन जमुनापारी एवं सिरोही नस्ल के बकरों द्वारा किये जाने, तथा बुंदेलखंड क्षेत्र में पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय की स्थापना हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। इस क्षेत्रीय कार्यशाला के अंतिम 10 वें सत्र में **''आदिवासी अंचलों में कृषि व पशुपालन से संबंधित गतिविधियों''** पर आधारित रहा, जिसमें वी.यू. के डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा ने इस सत्र के उप–चेयर पर्सन की भूमिका का निर्वाहन किया तथा सत्रोपरांत पशुधन उत्पादन आधारित सारगर्भित उदबोधन दिया।

कार्यशाला के समापन सत्र में विश्वविद्यालय द्वारा सक्रिय सहभागिता हेतु डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा एवं डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रभारी विभागाध्यक्ष, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विस्तार शिक्षा विभाग को स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)